JNU Just In

An initiative of School of Media Studies

JNU Just In | Jaipur | October 2023 | Vol.: 6 | Issue: 10 | Pages: 4 | Price: 1| Monthly Bilingual (Hindi/English)

जेएनयू की उत्कृष्टता व सफलता के 16 साल बेमिसाल

विश्वविद्यालय बौद्धिक विकास का केंद्र – डॉ संदीप बक्शी

स्थापना दिवस के अवसर पर जेएनयू के चांसलर डॉ संदीप बक्शी ने कहा कि अनुसंधान, शिक्षण और सामुदायिक जुड़ाव पर अटूट ध्यान देने के साथ, विश्वविद्यालय ने लगातार ऐसे स्नातक तैयार किए हैं जो समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए आवश्यक कौशल, ज्ञान और मूल्यों से सम्पन्न है। स्थापना दिवस समारोह विश्वविद्यालय की समृद्ध विरासत और उत्ष्टता का प्रमाण है। साथ ही यह विश्वविद्यालय समुदाय, पूर्व छात्रों और सम्मानित अतिथियों के लिए संस्थान की उल्लेखनीय यात्रा और शैक्षणिक परिश्य में इसके योगदान पर विचार करने का अवसर होगा। संस्थान आज देश की शीर्ष 15 यूनिवर्सिटीज में भाामिल है। यूनिवर्सिटी के 16वे स्थापना दिवस पर संस्थान में पांच, दस, और पंद्रह साल पूरे करने पर शिक्षकों, चिकित्सकों और कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

वाइस चांसलर प्रो आर एल रैना ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का व्यौरा देते हुए कहा कि विविध और समावेशी शिक्षण वातावरण के साथ, विश्वविद्यालय ने ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देना जारी रखा है, साथ ही छात्रों को भविष्य के परिवर्तन–निर्माता बनने के लिए तैयार कर रहा है। इस अवसर पर जेएनयू के प्रोचांसलर प्रो. एच. एन. वर्मा, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रीति बक्शी, के साथ विभिन्न संकायों के शिक्षक गण भी उपस्थित थे। समारोह में तीनों कैंपसों के अलावा मेडिकल कॉलेज और हॉस्पीटल के 800 से ज्यादा शिक्षकों और चिकित्सकों ने हिस्सा लिया। जश्न और उमंग से सराबोर शिक्षकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। इस अवसर पर जेएनयू में ब्लड डोनेशन कैंप का भी आयोजन किया गया।

JNU Just In
An initiative of School of Media Studies

नेशनल ट्रायल एडवोकेसी एंड जजमेंट राइटिंग काम्पीटीशन जेएनयू में न्याय मंजिल नहीं; यात्रा है – डॉ. संदीप बक्शी

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, जयपुर के तत्वाधान में सीडलिंग स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस एवं ट्रायल एंड एपीलेट एडवोकेसी सोसाईटी द्वारा एक जेएनयू नेशनल ट्रायल एडवोकेसी एंड जजमेंट राइटिंग काम्पीटीशन 2023 का आयोजन 26 से 28 अगस्त तक किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य लॉ के विद्यार्थियों की समझ और राइटिंग को निखारना था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान हाईकोर्ट पूर्व जज जस्टिस श्री आलोक वर्मा एवं गेस्ट ऑफ ऑनर राजस्थान विश्वविद्यालय के लॉ डिपार्टमेंट के पूर्व डीन प्रो. जी.एस. राजपुरोहित थे।

जेएनयू के चांसलर डा. संदीप बक्शी ने इस अवसर पर संकाय के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि "न्याय एक मंजिल नहीं है; यह एक यात्रा है। कानूनी ज्ञान और निर्णय लेखन कौशल की आपकी खोज उस यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है।" "याद रखें, आपके द्वारा लिखा गया प्रत्येक निर्णय जीवन और समाज को आकार देने की क्षमता रखता है। जिम्मेदारी को स्वीकार करें और न्याय पाने के अवसर से प्रेरित हों।"

मुख्य अतिथि राजस्थान हाईकोर्ट पूर्व जज जस्टिस श्री आलोक वर्मा ने भविष्य के एडवोकेट एवं जजों को संबोधित करते हुए कहा कि "कानून एक निरंतर विकसित होने वाला क्षेत्र है। आजीवन सीखने के लिए प्रतिबद्ध रहें।

इस अवसर पर जेएनयू के प्रोचांसलर प्रो. एच. एन. वर्मा, वाइस चांसलर प्रो आर एल रैना, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रीति बख्शी, के साथ विद्यार्थी शिक्षक गण भी उपस्थित थे। इस अवसर पर छात्रों ने तर्कसंगत प्रश्नों के उत्तर पा कर अपनी जिज्ञासा को शांत किया।

जेएनयू डांडिया नाइट में उत्साह से नाचे छात्र-छात्राएं

एक परिधान में नृत्य करते लोग एक परिवार के लगते हैं – डॉ. संदीप बक्शी

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, जयपुर के एसडीटीएम कैंपस के सैंट्रल लॉन में नवरात्रों के अवसर पर डांडिया नाइट का आयोजन किया गया। भारतीय परिधान में एकत्रित हुए छात्र छात्राओं ने डांडिया उत्सव में प्रतिभाग कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। जेएनयू में हर साल होने वाले इस उत्सव की तैयारी प्रतिभागियों ने बहुत समय से की हुई थी।

कार्यक्रम की शुरुआत जेएनयू के चांसलर डॉ. संदीप बक्शी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर जेएनयू के चांसलर डॉ. बख्शी ने कहा कि डांडिया नाइट का आयोजन समाज में लोगों के बीच भाईचारे का संदेश देती है और हमारी संस्कृति एवं परंपराओं की पहचान कराती है। उन्होंने कहा कि जब इतने लोग एक साथ मिलकर गरबा खेलते हैं, तो ऐसा प्रतीत होता है मानो धरती पर एक पूरे परिवार के लोग एक साथ एकत्रित हो पारिवारिक उत्सव मना रहे हों।

इस अवसर पर जेएनयू के प्रोचांसलर प्रो. एच. एन. वर्मा, वाइस चांसलर डा. आर.एल. रैना, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रीति बक्शी, के साथ विद्यार्थी और विभिन्न संकायों के शिक्षक गण भी उपस्थित थे। सभी लोगों ने फिल्मी एवं लोकधुनों पर जमकर नृत्य कर समां बांध दिया।

जेएनयू मेडिकल के नवागंतुक छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का शुभारम्भ

त्याग, समर्पण और प्रतिबद्धता ही चिकित्सा के हैं आधार स्तंभ– डॉ. संदीप बख्शी

इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एवं रिसर्च सेंटर, जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, जयपुर ने एमबीबीएस एवं एमएस/एमडी के विद्यार्थियों के आरिएंटेशन कार्यक्रम के अंतगर्त इंडक्शन दिवस का आयोजन जेएनयू मेन कैम्पस के आडिटोरियम, में किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए विद्यार्थियों को मेडिकल सांइस के बारे में बताया गया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम 12 अक्तूबर से 18 अक्तूबर तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में देश–विदेश से आए विशेषज्ञ और अनुभवी डाक्टर्स विद्यार्थियों को मेडिकल साइंस के बारे में जागरूक करने के साथ साथ उन्हें विषय की बारीकी से अवगत कराया।सफल छात्रों को गणमान्य अतिथियों द्वारा मेडल प्रदान किये गए।

कार्यक्रम की शुरुआत जेएनयू के चांसलर डॉ. संदीप बख्शी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर जेएनयू के चांसलर डॉ. बख्शी ने उपस्थित छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि एक डॉक्टर को लक्ष्य प्राप्ति, अध्ययन और साथी सहयोगियों के प्रति क्लीनिकल कौशल, समय की पाबंदी, प्रतिबद्धता और समर्पण का भाव रखते हुए कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें यहां पत्थर को तराशकर आकर्षक मूर्ति बनाना है फिर अगर तराशने के काम में चोट भी लग जाए तो कोई परवाह नहीं परंतु मूर्ति (डाक्टर) अच्छी बननी चाहिए। ड़ा बख्शी ने चिकित्सा के क्षेत्र में सफेद कोट की महत्ता बताते हुए कहा कि सफेद रंग शांति और स्वच्छता का प्रतीक हैं और यही सफेद रंग हमें अपना कर्त्तव्य निभाने के लिए प्रेरणा देता है।

इंडक्शन प्रोग्राम के मौके पर जेएनयू के प्रोचांसलर प्रो. एच. एन. वर्मा, वाइस चांसलर डा. आर.एल. रैना, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रीति बख्शी, के साथ नवागंतुक विद्यार्थी और विभिन्न संकायों के शिक्षक गण भी उपस्थित थे। इस अवसर पर 2023–24 ने लिए छात्र पुस्तिका जारी की गई और जेएनयू को अपने शिक्षण संस्थान के रूप में चुनने के लिए सभी छात्रों को बधाई दी। मेडिकल छात्रों के लिए प्रिंसिपल और नियंत्रक, जेएनयूआइएमएसआर, लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. बी के चोपड़ा ने छात्रों का स्वागत किया और छात्रों के आगे आने वाली चुनौतियों और अवसरों को स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित किया।

Timeline
This Month...

October 13, 54 A.D.: Roman Emperor Claudius died after eating mushrooms poisoned by his wife, the Empress Agrippina.

October 14, 1066: The Norman Conquest began with the Battle of Hastings in which King Harold II of England, the last of the Saxon kings, was defeated and killed by William of Normandy's troops.

October 12, 1492: After a 33-day voyage, Christopher Columbus made his first landfall in the New World in the Bahamas. He named the first land sighted as El Salvador, claiming it in the name of the Spanish Crown. Columbus was seeking a western sea route from Europe to Asia and believed he had found an island of the Indies. He thus called the first island natives he met, 'Indians.'

Compiled by: Ms. Yogita Khurana

Vocabulary

Advertising: A form of persuasive communication designed to encourage an audience to take some kind of action – most commonly associated with consumerism.

Agenda-setting: The ability of the media to tell people what and whom to talk and think about. Also refers to those media that have more credibility than their competition.

Analog: Media software which has a physical quality and presence.

Audience: The group of consumers for whom the media text was constructed as well as anyone else who is exposed to the text.

Codes: Codes are systems of meanings.

Compiled by: Dr. Vijay Singh

JNU Just In
An initiative of School of Media Studies

Israel v/s Hamas War, Iranian Smile Behind the Stage!

Mohit Singhal, Student BAJMC

As the Israeli air strikes on the Gaza Strip escalated with Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu announcing the ground incursion of their forces in the West Bank and the deep areas of Gaza, the Palestinian authorities are just mounting the numbers they are receiving of the dead Palestinians due to the intense fighting and air strikes following Hamas' militants ground offensive on Israeli border areas in the morning of October 7. The Palestinian authorities are claiming that the death toll in Gaza has unprecedently crossed the 8,000 mark and the humanitarian aid is equal to null in the highly urbanized Gaza. Water, Light, Food, Fuel, and Internet connectivity have all gone down to the zero level with no inhibition seeming possible from the IDF.

However, it can be taken into account that this West Asia offense has some serious repercussions on the two bordering nations; the reason for the re-escalation of the old Israel-Hamas conflict still hasn't come under the radar of anybody. While some nations have condemned the Hamas' attack claiming it to be a terrorist act on Israel, many countries- mostly Pro-Palestine from the start- supported the act framing it as a defending of the sovereignty and integrity of the Palestinian population. One such country to laud Hamas is Iran, another Gulf country that doesn't go hand in hand with Israel from the day, this battle has intensified.

Iran has constantly backed Gaza & Palestine and has always taken jibes on Israel for demeaning the interests of the Palestinians. With Iran backing Lebanon-based militant group Hezbollah for a long time, it is believed that Hamas was able to crash the world's most intelligent defense system with constant aid from Iran. From supplying armories, weapons, and military, to funding; Iran has always been a helping hand of Hamas militants. However, Iran's supreme leader Ayatollah Ali Khamenei has denied direct involvement in the operation.

But the question arises as to why Iran is constantly backing the militant groups that are up against Israel. The backdrop of the story has the US, UAE, and India as the leading role players with the three nations with Israel were up for a treaty that could have heightened the relations between the Western, west-Asian, and South Asian nations with the talks of India Middle East Europe Economic Corridor gained eyeballs as this was proposed by Saudi Prince to the New Delhi in the recent visit. But here, in this overall link, Iran was missing partly due to the involvement of the US and their sanctions on Iran. This doesn't imbibe well by Iran. And to add more on that, with the Abraham Accords (it's a treaty between Israel and Arab nations to normalize relations), Iran feared of UAE, and other Persian countries connecting their ways with Israel. This all-positive development could have been stalled only with the help of some resounding fight back and escalating the historic battle again.

The backing to Hamas paved the way for them to start another juggernaut skirmish as they were well aware of the aftermath possibilities of the war. And, what followed was the wildest hallucination of Iran as Israel marched on to make the Gaza strip a graveyard that couldn't be revived in the coming generations, and with that, the likely possibility of the Abraham Accords has sunk up well. It is a no-brainer that with most of the Gulf nations being pro-Palestine, the result of the war wouldn't go well in their minds, and a peace treaty could wait for its turn for many coming years. Iran is surely smiling on the backdrop of the stage watching the stage being set on fire amusingly.

Kathan

"We cannot solve problems with the kind of thinking we employed when we came up with them."

Albert Einstein

"Learn as if you will live forever, live like you will die tomorrow."

Mahatma Gandhi

"Stay away from those people who try to disparage your ambitions. Small minds will always do that, but great minds will give you a feeling that you can become great too."

Mark Twain

"When you give joy to other people, you get more joy in return. You should give a good thought to happiness that you can give out."

Eleanor Roosevelt

"When you change your thoughts, remember to also change your world."

Norman Vincent Peale

Compiled by: Mr. Rahul K Darji

Chief Patron: Dr. Sandeep Bakshi; **Patrons:** Prof. H. N. Verma, Prof. RL Raina; **Editor:** Dr. Sanjay Srivastava, Rahul Mittal; **Editorial Board:** Dr. Vijay Singh, Ms. Manisha Sharma

Student Editorial Team: Priya Ranjan, Ridhi; Mohit, Teena, Harshita; **Photography:** Mr. Gaurav Sharma, Mr. Roushan, Prem, Nitish